आडिट टीम ने शिक्षा के स्तर को बढ़ाने के दिए टिप्स

कैंपस की खबरें

सीयूजे में अकादमिक आडिट करते पदाधिकारी • जागरण

जासं, रांची : दो सदस्यीय शैक्षणिक और प्रशासनिक लेखा परीक्षा दल ने झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) चेरी मनातु और ब्राम्बे परिसर का दौरा किया। पहले दिन ओडिशा उच्च शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी सदस्य प्रो. एसपी पाणि और झारखंड तकनीकी विश्वविद्यालय रांची के कार्यवाहक कुलपति प्रो. विजय पांडेय के नेतृत्व में आडिट टीम ने चेरी मनातू परिसर में शिक्षा, हिंदी, अंग्रेजी, सुदूर पूर्व भाषा, राजनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंध, लोक प्रशासन, जनजातीय अध्ययन, प्रदर्शन कला, समकालीन और जनजातीय प्रथागत कानून, परीक्षा और प्रशासन विभागों का दौरा किया। साथ ही संबंधित विभागाध्यक्षों को बेहतरी के कई सुझाव भी दिए। आडिट टीम ने शिक्षा और प्रशासन के स्तर को बढ़ाने के टिप्स भी दिए। इस दौरान सीयूजे के कुलपति प्रो. केबी दास व आइक्यूएसी के निदेशक प्रो. आरके डे ने कार्यों का अवलोकन किया।

टीम ने महत्वपूर्ण इनपुट किया साझा

आडिट टीम के विशेषज्ञों का दौरा पुस्तकालय के साथ शुरू हुआ। इसके बाद भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीवन विज्ञान, गणित, जनसंचार, व्यवसाय प्रशासन, वाणिज्य और वित्तीय अध्ययन, भू सूचना विज्ञान, भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, जल इंजीनियरिंग और प्रबंधन विभाग के कार्यों की जानकारी ली।

सीयूजे में अकादमिक और प्रशासनिक लेखा परीक्षा दल का दौरा

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

रांची : दो सदस्यीय शैक्षणिक और प्रशासनिक लेखा परीक्षा दल ने 28 और 29 मार्च को झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय चेरी-मनातु और ब्राम्बे परिसरों का दौरा किया। पहले दिन, प्रो. एसपी पाणि, कार्यकारी सदस्य,ओडिशा उच्च शिक्षा बोर्ड और प्रो.विजय पांडे, कुलपति (कार्यवाहक), झारखंड तकनीकी विश्वविद्यालय, रांची ने प्रो.केबी दास, कुलपति, सीयूजे, प्रो. आरके डे, निदेशक (आईक्यूएसी) विभिन्न स्कूलों के डीन व निदेशक, आईक्यूएसी द्वारा झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के अवलोकन पर एक प्रस्तुति दी गई। इसके बाद, ऑडिट टीम ने चेरी-मनातू परिसर में शिक्षा, हिंदी, अंग्रेजी, सुदूर पूर्व भाषा, राजनीति और अंतर्राष्ट्रीय संबंध, लोक प्रशासन, जनजातीय अध्ययन, प्रदर्शन कला, समकालीन और जनजातीय प्रथागत कानून, परीक्षा और प्रशासन विभागों का दौरा किया और विभिन्न सुझाव दिए। शिक्षा और प्रशासन के स्तर को बढ़ाने के उपाय। दूसरे दिन, विशेषज्ञों का दौरा पुस्तकालय के साथ शुरू हुआ, इसके बाद भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीवन विज्ञान, गणित, जन संचार, व्यवसाय प्रशासन, वाणिज्य और वित्तीय अध्ययन, भू-सूचना विज्ञान, भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, जल इंजीनियरिंग और प्रबंधन विभाग, ब्राम्बे परिसर में नैनोसाइंस एंड टेक्नोलॉजी, एनर्जी इंजीनियरिंग, ट्रांसपोर्ट साइंस एंड टेक्नोलॉजी का भी दौरा किया। निरीक्षण के बाद, विशेषज्ञों ने अकादमिक और प्रशासन की क्षमता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण इनपुट का सुझाव दिया।